वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 91 | गुरुवार 25 जुलाई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री का नई दिल्ली दौरा: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट

प्रदेश की विकास योजनाओं को लेकर भी केन्द्रीय मंत्रियों से मिलकर विस्तृत चर्चा की

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की। शर्मा ने इस अवसर पर शाह से राजस्थान के सर्वांगीण विकास की दिशा में किए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा की। शर्मा ने नई दिल्ली में केन्द्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात कर राजस्थान की प्रगति एवं विद्युत क्षेत्र में ऊर्जा के नवीन स्त्रोतों के विकास एवं आधुनिकीकरण तथा नवीन तकनीक के समावेश सहित विविध महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा की। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी से भी आत्मीय मुलाकात कर प्रदेश के विकास के संबंध में विभिन्न विषयों पर बातचीत की। मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रदेश की महत्वपूर्ण जल परियोजनाओं को लेकर नई दिल्ली में ही केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर.पाटिल से प्रदेश में जल जीवन मिशन तथा पीकेसी-एकीकृत ईआरसीपी के क्रियान्वयन एवं वर्तमान प्रगति के विषय में चर्चा की।

राज्य सरकार और हुडको के बीच 1लाख करोड़ का एमओयू: पानी, सिंचाई और बिजली परियोजनाओं के लिए हर साल मिलेंगे 20 हजार करोड़

जयपुर. कासं

राज्य सरकार ने हाउसिंग एंड अरबन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हुडको) के साथ 1 लाख करोड़ का एमओयू किया। एमओयू के तहत अगले 5 सालों तक हुडको राज्य सरकार को पानी, सिंचाई और बिजली जैसी बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं के लिए प्रति वर्ष 20 हजार करोड़ रुपए का लोन देगा। सीएम भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में सीएमओ में यह एमओयू हुआ। इस मौके पर सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में सिरमौर बनाने तथा पेयजल और सिंचाई के लिए बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण के लिए राज्य सरकार कृतसंकल्पित होकर काम कर रही है। इस संकल्प को साकार करने की दिशा में राज्य

सरकार सभी आवश्यक वित्तीय संसाधन सुनिश्चित करेगी। आज का यह एमओयू विकसित राजस्थान के लक्ष्य की प्राप्ति में मील का पत्थर साबित होगा।

जैसलमेर में 400 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय से जैसलमेर में 400 मेगावट सौर ऊर्जा संयत्र का वर्चुअल उद्घाटन किया। सीएम ने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में अग्रणी कंपनी रिन्यू द्वारा आज जैसलमेर में 400 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र से अक्षय ऊर्जा का उत्पादन प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। शेष 200 मेगावाट का उत्पादन अक्टूबर तक प्रारंभ हो जाएगा। उन्होने कहा कि इससे राज्य की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में वृद्धि होगी। नवीकरणीय क्षमता जुड़ने से बिजली की लागत कम हो जाएगी। जिसके परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं के लिए टैरिफ कम होगा और सरकार को बचत भी होगी। इस संयंत्र द्वारा राजस्थान डिस्कॉम को बेहद सस्ती दरों पर विद्युत आपूर्ति हो सकेगी।

बुनियादी सुविधाओं के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार: इस मौके पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान ने बिजली और पानी की निर्बाध आपूर्ति के क्रम में महत्वपूर्ण प्रगति अर्जित की है। प्रदेश में 28 हजार 500 मेगावाट की अक्षय ऊर्जा एवं 3325 मेगावाट की थर्मल परियोजनाओं के लिए 1 लाख 50 हजार करोड़ रूपए के निवेश हेतु एमओयू हो चुके हैं। साथ ही, प्रसारण तंत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए 10 हजार करोड़ रुपए के निवेश पर हस्ताक्षर भी हुए। राजस्थान ऊर्जा विकास निगम एवं एसजेवीएन के मध्य 600 मेगावाट सौर ऊर्जा परचेज एग्रीमेंट हस्ताक्षरित हो चुका है। उन्होंने बताया कि 8 हजार मेगावाट सौर एवं 3 हजार 200 मेगावाट कोल आधारित परियोजनाओं के लिए टैरिफ आधारित निविदा प्रक्रिया प्रारम्भ की जा चुकी है। इन परियोजनाओं की स्थापना से 64 हजार करोड़ रुपए का निवेश होगा।

पंडित अभयकुमार शास्त्री, देवलाली व बाल ब्र अभिनन्दनकुमार शास्त्री, खनियाधाना ज्ञानदीप अलंकार से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन समाज के विख्यात विद्वान पंडित अभयकुमार शास्त्री, देवलाली व बाल ब्र अभिनन्दनकुमार शास्त्री, खनियाधाना को ज्ञानदीप अलंकार से सम्मानित किया। उक्त दोनों विद्वानों को यह सम्मान हाल ही में गांधी नगर क्लब में पंडित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट द्वारा प्रदत किया गया। ट्रस्ट द्वारा स्नातक विद्वानों का सर्वोच्च सम्मान ज्ञानदीप अलंकार से पण्डित अभयकुमार शास्त्री, देवलाली एवं बाल ब्र अभिनन्दनकुमार शास्त्री, खनियाधाना को अलंकृत किया गया। यह सम्मान उन्हें ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशीलकुमार गोदिका, महामंत्री परमात्मप्रकाश भारिल्ल एवं उदयपुर शहर के विधायक ताराचंद जैन की उपस्थिति में प्रदान किया गया। गौरतलब है कि यह ज्ञानदीप अलंकरण उद्दीप्त, प्रज्ज्वलित, आलोकित, दैदीप्यमान उन दीपों के लिए है जो भूतल को आलोकित कर रहे हैं। उन विद्वतजनों के लिए है जो निरंतर सक्रीय रहकर, आत्महितकारी जैन अध्यात्म के प्रति प्रतिबद्धता के साथ, अपनी प्रज्ञा और विद्वत्ता का उपयोग करते हुए तत्वप्रचार में संलग्न हैं। जिनका अस्तित्व ज्ञानपिपासु आत्मार्थी के लिए आश्वासन और सम्बल है। जो इस धरा पर आत्मार्थियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं। सर्वप्रथम उसे पुरस्कार को प्राप्त करने वाले पंडित अभयकुमार शास्त्री कुशल लेखक, प्रबुद्ध प्रवचनकार एवं आध्यात्मिक कवि पण्डित अभयकुमार शास्त्री एक उत्कृष्ट कोटि के विद्वान हैं। विगत 50 वर्षों में आपने न केवल भारतवर्ष में जैन अध्यात्म का डंका बजाया है बल्कि अमेरिका, इंग्लेण्ड, कनाडा इत्यादि देशों में अध्यात्म दूत बनकर जैन अध्यात्म का परचम फहराने में भी आपकी अहम भूमिका रही है। आपके द्वारा सम्पादित व अनुवादित कृतियों समेत आपकी 47 कृतियां आज उपलब्ध है। आपने जैन अध्यात्म पर आधारित भक्तियों का सृजनकर आपने भक्ति साहित्य को एक नई दिशा प्रदान की,वहीं ज्ञानदीप से अलंकृत दूसरे विद्वान बाल ब्र. अभिनंदनकुमार शास्त्री मुमुक्षु समाज के सबसे बड़े प्रतिष्ठाचार्य हैं। बड़ोदरा पंचकल्याणक के अवसर पर आप प्रतिष्ठाचार्य के रूप में स्थापित हुए। आप आज तक 90 पंचकल्याणक एवं 30 से अधिक बेदी प्रतिष्ठाएं करा चुके हैं। आपने अपने जीवन में 1500 से अधिक विधान संपन्न कराए। आज 78 वर्ष की वृद्धावस्था में भी आप युवाओं की भांति देशभर में एकाकी भ्रमण करते हैं, इतना ही नहीं अमेरिका के फिनक्स, वर्जीनिया, न्यूजर्सी, शिकागो आदि शहरों और लंदन आदि नगरों में भी आपने जैन धर्म का शंखनाद किया। पंडित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट दोनों विद्वानों को ज्ञानदीप अलंकरण से अलंकृत करते हुए अत्यंत गौरवान्वित है।

इनकम टैक्स में छूट स्वागत योग्य: सुरेन्द्र कुमार जैन पांड्या

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री व मार्बल निर्यातक सुरेन्द्र कुमार जैन पांड्या ने केन्द्रीय बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि बजट में वेतन भोगी लोगों को स्टैण्डर्ड डीडक्शन में छूट दी गई है एवं इनकम टैक्स में छूट दी गई है वो स्वागत योग्य है। रोजगार बढ़ाने के लिए मुद्रा लोन को बढ़ाया गया है,लेकिन लौंग टर्म कैपिटल गेन 10 से 12.50 प्रतिशत बढ़ाने से शेयर मार्केट इन्वेस्टमेंट पर असर पड़ेगा।

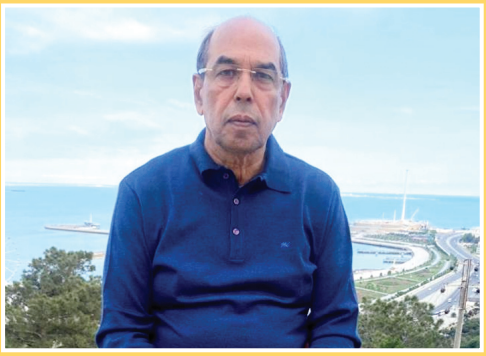

पंचेन्द्रिय विषय भोगों की लोलुपता संसार परिभ्रमण का कारण: मुनि श्री समत्व सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री 108 समत्व सागर जी महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जिसने अपने जीवन में देव-शास्त्र व गुरु के प्रति सच्चा श्रद्धान कर लिया,उसके जीवन का कल्याण हो जाएगा। आज मनुष्य पंचेन्द्रिय विषय भोगों में फंसकर संसार की कैद में आकर फंस गया है, कारण है कि पंचेन्द्रिय विषय भोगों की लोलुपता संसार परिभ्रमण का कारण है। पंचेन्द्रिय के भोगों का स्वाद देखने में सुखद लगता है लेकिन मनुष्य के लिए दुखदायी है। इनसे सुख तो मिलता है लेकिन उन भोगों का सुख क्षणिक ही होता है। जीवन में यदि स्थाई सुख को प्राप्त करना है अपने मन को पंचेन्द्रिय भोगों से हटाकर स्व की ओर लगाओ, तभी तुम्हें वास्तविक सुख की अनुभूति होगी। जीवन में यदि परम आनंद चाहते हो अथवा उच्च दशा को प्राप्त करना चाहते हो तो भगवान बनने के विचारों को अपने अंतस्थल में धारण करो। मुनिश्री ने आगे कहा कि कैद कैसी भी होगी, वह कैद ही कहलाएगी, स्वतंत्रता में जो सुख है,वह परितंत्रता में नहीं मिलेगा। जिनवचन,जिनवाणी के उपदेशो की अपने जीवन में धारण कर जिनेंद्र बनने की ओर अग्रसर होना चाहिए। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अरुण कुमार जैन मटरू व मंत्री जगदीश चन्द जैन ने बताया कि धर्मसभा के प्रारंभ में दीप प्रज्जवलन व चित्र अनावरण मुनिश्री 108 समत्व सागर जी महाराज के ग्रहस्थ अवस्था के पिता समाजश्रेष्ठी अभय कुमार जैन ने किया। इस मौके पर काफी संख्या में लोग मौजूद रहे। महाराजश्री के बुधवार को प्रवचन सुबह 8.15 बजे होंगे।

सत्य ही जीवन का आधार है: साध्वी प्रिती सुधा

उदयपुर. शाबाश इंडिया। सत्य ही परमात्मा है बुधवार को पंचायती नौहरा मुखर्जी चौक में आयोजित धर्मसभा मे महासाध्वी प्रितीसुधा ने श्रध्दालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि सत्य ही जीवन का आधार है। सत्य शब्द सुनने में छोटा सा लगता है लेकिन जब व्यक्ति सत्य के पथ पर चलता है तो संसार से मुक्ति प्राप्त कर सकता है । सत्य ही होता है जो प्रकाश कि और ले जाता है और प्रमोद से बचाता है हिंसा, से परिग्रह, झुठ, चोरी,कुशील, के भाव को त्याग देना ही सत्य है सत्य ही मनुष्य को जीने की कला सिखाता है असत्य के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति जीवन पर्याय दुःख भोगता है। साध्वी मधुसुधा ने भजन के माध्यम से सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। चातुर्मासिक प्रवचन धर्मसभा मे जौधपुर पाली भीलवाड़ा मावली नाथद्वारा आदि क्षैत्रों से पधारे गुरुदर्शनार्थ अतिथियों का पंचायती नोहरा श्रीसंघ के अध्यक्ष सुरेश नागौरी, महामंत्री रोशनलाल जैन,राजेंद्र खोखावत लक्ष्मीलाल वीरवाल और महिला मंडल की मंजू सिरोया संतोष जैन, पुष्पा खोखावत आदि सभी पदाधिकारियों नेअतिथियों स्वागत किया। प्रवक्ता निलिष्का जैन ने जानकारी देते हुए बताया की 25 अगस्त को वरिष्ठ प्रवर्तक मरुधर केसरी मिश्रीमल जी म.सा.,शेरे राजस्थान रूपमुनि जी महाराज की जयंती विराट रुप मे साध्वीवृंद के सानिध्य मे तप- त्याग, गुणगान के साथ पंचायती नोहरा जैन स्थानक मनाई जाएगी।

जैन संत आचार्य श्री आर्जव सागर महाराज का ससंघ मंगल प्रवेश

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वाधान में पूज्य आचार्य 108 श्री आर्जव सागर महाराज ससंघ का बुधवार को धर्म नगरी पिड़ावा में बड़े हर्षोल्लास के साथ मंगल प्रवेश हुआ। समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि जैन संत आचार्य श्री आर्जव सागर महाराज ससंघ मध्यप्रदेश के अकोदिया में विराजमान थे। पिड़ावा की जैन समाज ने वहां जाकर गुरूदेव से निवेदन कर श्री फल भेंट आग्रह किया कि महाराज जी यह चातुर्मास का पूण्य लाभ हमें दीजिए महाराज जी ने कहा विचार करते हैं और पिड़ावा वासियो का पूण्य महाराज जी को यहां खींच लाया और पिड़ावा जैन समाज गुरूदेव को विहार कराते हुवे नलखेड़ा से सुसनेर होते हुवे बुधवार को प्रातः 8 बजे पिड़ावा पहुंचे। जहां पर सकल दिगम्बर जैन समाज ने बाल्दा चौराहे पर पहुंच कर बेण्ड़ बाजो के साथ ससंघ की अगवानी की गई। वहीं से जुलूस के साथ महाराज जी ससंघ श्री सांवलिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बड़ा मंदिर पहुंचे। जहां महाराज जी ने मंगल मय आशीर्वाद दिया। आचार्य 108 श्री आर्जव सागर महाराज जी ससंघ का 39वां पावन वर्षा योग पिड़ावा में होगा। महाराज के संघ में 5 मुनिराज और है। वो सभी चार महा अपनी आत्म साधना यही करेंगे।

वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चंद्र छाबड़ा मनाएंगे आज 25 जुलाई को 95वां जन्मदिन

करेंगे चूलगिरी अतिशय क्षेत्र पर अभिषेक पूजन व वृक्षारोपण

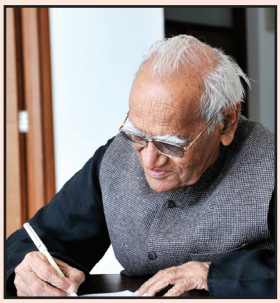

जयपुर. शाबाश इंडिया। वरिष्ट पत्रकार प्रवीण चंद्र छाबड़ा, 25 जुलाई 2024 को 95 वर्ष में प्रवेश करेंगे । सुबह आगरा रोड स्थित अतिशय क्षेत्र श्री पार्श्वनाथ चूलगिरी पर अभिषेक पूजा व वृक्षारोपण कर अपने जीवन के नववर्ष का शुभारंभ करेंगे। वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चंद्र छाबड़ा ने 18 वर्ष की आयु मे 'जयभूमि' से बतौर पत्रकार अपने कार्य की शुरूआत की और आज 75 वर्षों से भी अधिक समय से पत्रकारिता के क्षेत्र मे अपना योगदान दे रहें हैं। विभिन्न सामाजिक, राजनैतिक व अन्य सम सामयिक विषयों पर दैनिक पत्र-राजस्थान पत्रिका, दैनिक भास्कर,समाचार जगत आदि और पत्रिकाओं मे आपके आलेख छपते रहें हैं। हिन्दी साहित्य सृजन मे चांदन के बाबा, धम्मम शरणं उल्लेखनीय कृतीयां हैं ।

वेद ज्ञान

विरोध को समझें...

मनुष्य की प्रवृत्ति ही स्वतंत्र रहने की है। स्वतंत्रता सबको प्रिय है। ऐसा इसलिए, क्योंकि स्वतंत्रता वह अवस्था है जिसमें कोई भी जीव किसी दबाव के बगैर स्वेच्छा से कहीं भी आ-जा सकता है। ऐसा करने में उसे अच्छा भी लगता है, लेकिन जब कभी उसकी स्वतंत्रता पर कोई छोटा-सा आघात होता है तो वह तिलमिला जाता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि प्रकृति ने सभी जीवों को स्वतंत्र और स्वच्छंद बनाया है। प्रकृति यह मानती है कि संसार का प्रत्येक जीव अपनी-अपनी अभिरुचि के अनुरूप कार्य करे और अपना जीवनयापन करे। शास्त्रों का आदेश है कि जब कभी हम किसी जीवन पर प्रतिबंध लगाते हैं या उसकी गति को रोकने का प्रयास करते हैं तो वह विरोध करता है। जैसे नदी का काम है बहना, लेकिन जब कभी हम नदी की धारा को रोकने का प्रयास करते हैं तो नदी या तो बांध तोड़ देती है या फिर किनारे को तोड़कर विध्वंस करने लगती है। मनुष्य की शक्ति इससे अलग होती है, क्योंकि मनुष्य या तो क्रियात्मक बनता है अथवा विध्वंसात्मक बनता है। प्रश्न यह है कि मनुष्य समाज की विपरीत दिशा में क्यों खड़ा हो जाता है, उसकी प्रवृत्ति तो विरोधात्मक नहीं है। हमने छोटे बच्चों को देखा वे कितने सरल और मोहक होते हैं, लेकिन किसी विशेष परिस्थिति में पड़कर वे कभी-कभी इतने भयानक बन जाते हैं कि वे समाज की बड़ी समस्या बनकर खड़े हो जाते हैं। जरूर हमसे कोई भूल हुई होगी जिससे वे कुरूप बनकर समाज के सामने खड़ा हो जाते हैं। जैसे छोटे बच्चे दूध के लिए मां को पुकारते हैं तो वे कभी चिल्लाने लगते हैं और कभी कप अथवा शीशा फोड़ने लगते हैं। यह उनका विरोध प्रदर्शन है। वह मां का ध्यान अपनी ओर खींचना चाहते हैं। यहां तक कि छोटे बच्चे भी अपनी उपेक्षा बर्दाश्त नहीं कर सकते। यह जो उपेक्षा का भाव है, उसे मनुष्य बर्दाश्त नहीं कर सकता। जैसे छोटे बच्चे को हमने देखा कि मां ने दूध नहीं दिया तो उसने तोड़-फोड़ करना शुरू कर दिया। नेपोलियन एक गरीब घर का लड़का था। उसके उपेक्षा के दंश का विष उसके पूरे शरीर में फैल गया और वह समाज के सामने विद्रोही बनकर खड़ा हो गया। ऐसे बहुत से नाम इतिहास के पन्नों में अंकित हैं जो बचपन में बहुत ही साधारण और मोहक थे, लेकिन वे एक दिन समाज की छाती पर खड़े हो गए।

संपादकीय

बजट में दिखा विकसित भारत का लक्ष्य

मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला आम बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यही प्रकट किया कि विकसित भारत का लक्ष्य उनकी निगाह में है। इसी कारण आम बजट अंतरिम बजट की कड़ी दिख रहा है। इस बजट से यह साफ है कि कृषि उत्थान के साथ-साथ रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करना मोदी सरकार की प्राथमिकता है। इन दोनों क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देना आवश्यक था, क्योंकि किसानों की

आय बढ़ाने के साथ रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा करने के वादे सरकार के लिए परेशानी का कारण बने हुए थे। बजट में किसानों और कृषि क्षेत्र के लिए लगभग डेढ़ लाख करोड़ रुपये के प्रविधान किए गए हैं। बजट का जोर कृषि के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, कृषि में तकनीक को बढ़ावा देने और किसानों का रुझान प्राकृतिक खेती की ओर करने पर है, लेकिन कृषि और किसानों की दशा सुधारने के लिए जो उपाय किए जाने हैं, उन्हें वांछित सफलता तब मिलेगी, जब राज्य सरकारें कृषि संबंधी केंद्रीय योजनाओं को सहयोग देने के साथ किसानों की दशा सुधारने के लिए अपने हिस्से की भी जिम्मेदारी का निर्वाह करेंगी। राज्य सरकारों का यह रवैया समस्याजनक है कि कृषि क्षेत्र का उत्थान तो केवल केंद्र की जिम्मेदारी है। बजट में रोजगार के सवाल का समाधान करने के लिए जो कई उपाय किए गए हैं, वे युवाओं को उत्साहित करने वाले तो हैं, लेकिन देखना यह होगा कि इस सिलसिले में सरकार ने जिन तीन नई योजनाओं की घोषणा की है, वे रोजगार के कितने मौके उपलब्ध करा सकेंगी? युवाओं के लिए यह घोषणा खासी आकर्षक है कि सरकार पांच सौ बड़ी कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप कराएगी और उन्हें पांच हजार रुपये महीना देगी। अच्छा हो कि इस दायरे में अन्य कंपनियां भी लाई जाएं, ताकि अधिकाधिक युवाओं का कौशल विकास हो सके। यह महत्वपूर्ण है कि लोकसभा चुनावों में अपेक्षित परिणाम न मिलने के बाद भी सरकार ने खुद को लोकलुभावन योजनाओं से दूर रखा और देश को विकसित बनाने में सहायक बनने वाली योजनाओं पर अपना ध्यान केंद्रित रखा और ऐसा करते समय वित्तीय अनुशासन को प्राथमिकता दी। यह सरकार के आत्मविश्वास का परिचायक तो है, लेकिन इसके बाद भी इस बजट में देश की सूरत बदलने वाले क्रांतिकारी उपायों का अभाव दिखता है। ले-देकर आयकर कानून की समीक्षा का वादा किया गया है। आर्थिक सर्वे में कहा गया है कि शहरीकरण की तेज रफ्तार के चलते अगले पांच-छह वर्षों में 40 प्रतिशत आबादी शहरों में रह रही होगी। इसे देखते हुए शहरों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए था, क्योंकि शहर आर्थिक विकास के इंजन होते हैं। समस्या यह है कि शहरों के विकास के मामले में राज्य सरकारों का रवैया भी ढीलाढाला है। यह समझना होगा कि विकसित भारत का लक्ष्य केंद्र और राज्यों के सहयोग से ही हासिल किया जा सकता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

उम्मीदों का बजट

जिस दौर में वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्थाओं में काफी उथल-पुथल और चिंताजनक हालात बने हुए हैं, उसमें मंगलवार को पेश बजट ने एक तरह से सबका खयाल रखने का आश्वासन दिया है। बजट के कुछ अहम बिंदुओं को देखते हुए यह साफ लगता है कि तीसरी बार सत्ता में आने के बाद नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की प्राथमिकताओं में अब शायद कुछ बदलाव आया है। वित्त मंत्री के रूप में निर्मला सीतारमण ने अपने भाषण की शुरूआत में ही कहा कि शिक्षा और रोजगार के लिए बजट में 1.48 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। यानी सरकार पिछले कुछ समय से देश की राजनीति में चुनावी मुद्दा बने, लेकिन प्रकारांतर से उपेक्षित सवालों की सुध लेती दिखती है। देश में बेरोजगारी की चुनौतियों से जूझने के लिए तीन नई योजनाओं की घोषणा की गई है, जिसमें अगले पांच वर्षों के लिए दो हजार करोड़ रुपए की राशि तय की गई है। औपचारिक क्षेत्र में पहली बार नौकरी हासिल करने वालों को सरकार उनके पहले महीने के वेतन पर अनुदान के रूप में पंद्रह हजार रुपए तक की अतिरिक्त राशि देगी। इसके अलावा, एक करोड़ युवाओं को पांच वर्ष में शीर्ष पांच सौ कंपनियों में प्रशिक्षुता या इंटर्नशिप का मौका देने की बात की गई है, जिसके तहत युवाओं को पांच हजार रुपए मासिक भत्ता दिया जाएगा। जाहिर है, लंबे समय के बाद ऐसा लगता है कि बेरोजगारी की समस्या की गंभीरता को स्वीकार करने की कोशिश की गई है। आमतौर पर इस पर सबकी नजर रहती है कि बजट में मध्यवर्ग के लिए क्या कोई राहत है। इस लिहाज से देखें तो सरकार ने नई कर व्यवस्था की दरों में जो बदलाव किया है, उससे लोगों के साढ़े सत्रह हजार रुपए तक बच सकते हैं और अब तीन लाख रुपए की आय तक कोई आयकर नहीं देना होगा। अप्रत्यक्ष कर की दरों में बदलाव के बाद अब कैंसर की कुछ दवाएं, मोबाइल फोन, सोना-चांदी के दाम में कमी आने की संभावना है। मगर आम लोग जिस महंगाई से जूझ रहे हैं, उससे कितनी राहत मिलेगी, इस मसले पर कोई स्पष्टता नहीं है। हालांकि कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास पर विशेष ध्यान देने के अलावा प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के तहत किए गए नए प्रावधानों से मध्यवर्ग को लाभ मिल सकता है। इसी तरह, कर ढांचे के नए स्वरूप से ऐसा लगता है कि सरकार की मंशा लोगों को पैसा बचाने के बजाय खर्च करने का विकल्प चुनने की ओर प्रवृत्त करने की है। अल्पकालिक पूंजीगत लाभ और दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ के नियमों में हुए बदलाव का असर इस रूप में सामने आया कि बजट भाषण के दौरान ही शेयर बाजार धड़ाम से गिर गए। एक उम्मीद यह थी कि पिछले कुछ समय से रेल यात्रा के समूचे तंत्र को लेकर जितने बड़े पैमाने पर सवाल उठे थे, तो सरकार बजट में शायद इस पर ध्यान दे। मगर विचित्र यह है कि रेलवे क्षेत्र के लिए कोई बड़ी घोषणा नहीं हुई इस बजट में खासतौर पर बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए जिस तरह अलग से बड़े एलान किए गए हैं, उसने सबका ध्यान खींचा है। खासतौर पर बिहार के लिए छब्बीस हजार करोड़ की बड़ी राशि देने की घोषणा की गई। यह सभी जानते हैं कि मौजूदा सरकार के गठन में जद (एकी) और तेलगु देसम की क्या भूमिका रही है। यही वजह है कि विपक्ष ने इसे ह्यसरकार बचाओह्न बजट कहा है।

नमोकार महिला किट्टी ग्रुप की धार्मिक यात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया

दुर्गापुरा नमोकार महिला किट्टी ग्रुप द्वारा धार्मिक यात्रा का आयोजन अध्यक्षा श्रीमति सुमति अजमेरा के संयोजन व डां शान्ति जैन 'मणि' के निर्देशन में किया गया। सभी महिलायें दुगार्पुरा जैन मंदिरजी में सुबह एकत्रित होकर अभिषेक व शान्तिधारा देख बस से रवाना हुई। सबसे पहले खण्डेला ग्राम में पहुंच कर दिगम्बर जैन मंदिरजी के तीन मंजिले मंदिर में भगवान पार्श्वनाथ की बडी खडगासन प्रतिमा के दर्शन किये,पूजन भजन किया व फिर धोद के लिए रवाना हो गये। धोद ग्राम में कांच के मंदिर के दर्शन किए व दोमंजिली धर्मशाला देखी, लहरिया उत्सव मनाया व भोजन किया। यह बहुत विशाल जिन मंदिर हैं। यंहा से रेवासा के लिए रवाना हुये। रेवासा में मूलनायक आदिनाथ भगवान हैं व अतिशयकारी प्रतिमा सुमतिनाथ भगवान की है। यहां जलपान किया व नसियां तथा वात्सल्य धाम भी देखा व बच्चों के लिए कुछ आर्थिक सहयोग भी किया। फिर खाटूश्यामजी गये। वंहां दिगम्बर जैन मंदिरजी का नवीन दो मंजिला मंदिर व खाटूश्यामजी मंदिर में दर्शन किए तथा सायंकाल का भोजन किया व सीधे जयपुर आ गये। डां शान्ति जैन 'मणि' ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नि:शुल्क मृगी रोग निवारक शिविर मे 104 रोगियों ने उठाया लाभ

श्री प्राज्ञ मिर्गी रोग निवारक समिति गुलाबपुरा

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

गुलाबपुरा। श्री प्राज्ञ मृगी रोग निवारक समिति गुलाबपुरा मे माह के चतर्थ मंगलवार 23.07.24 को आयोजित मृगी रोग कैंप का शुभारंभ नवकार महामंत्र के जाप से किया गया व गुरु पन्ना,सोहन, प्रियदर्शन के जयकारों से पूरा परिसर गुंजायमान हो गया, शिविर में महात्मा गांधी हॉस्पिटल जयपुर के वरिष्ठ न्यूरो फिजिशियन डॉक्टर आर के सुरेखा की टीम द्वारा 104 मरीजों की जांच कर निशुल्क दवा वितरित की गई। संस्था के मंत्री पदम चंद खटोड़ ने कैम्प के लाभार्थी डॉ.एम एम कोठारी, लता कोठारी, मनोज सोनाली कोठारी, सुनील शिप्रा कोठारी, सिद्धार्थ,आयुष, अनुया कोठारी, प्रतिभा प्रशांत खुर्दिया, दिया खुर्दिया, सिद्धांत खुर्दिया परिवार अजमेर का आभार प्रदर्शित करते हुए संस्थान के कार्यकलापों की जानकारी दी। डॉक्टर आर के सुरेखा ने बताया कि 22 जुलाई वर्ल्ड माइंड डे रूप में मनाया जाता है,मिर्गी रोग भी दिमाग का रोग है,कोई ऊपरी हवा या बीमारी नहीं है, इसका इलाज सम्भव है। मिर्गी रोग के बचाव व दिमाग को स्वस्थ रखने के उपाय बताये। कार्याध्यक्ष मूल चंद नाबेडा ने सभी का आभार व्यक्त किया। शिविर मे संस्थान के मदन लाल लोढ़ा, पारस सुरेश लोढ़ा, सुशील चौधरी, के डी मिश्रा, दिनेश शर्मा,कमल कावडिया सहित लोगो ने सेवाएं प्रदान की। शिविर की काउंसलिंग एवम योगा के बारे मे अनिल चौधरी द्वारा विस्तार से समझाया गया, मंच संचालन भी किया गया।

तीर्थंकर ग्रुप द्वारा मानव सेवार्थ पखवाडे में नि:शुल्क परामर्श शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान के आह्वान पर आज दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर के अध्यक्ष एवं अन्तरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त वरिष्ठ होम्योपैथ डां.एम.एल जैन 'मणि' ने मरीजों को नि:शुल्क परामर्श दिया।इस कार्य को प्रारम्भ करने से पूर्व डां मणि ने आचार्य विद्या सागर जी के परम प्रभावक शिष्य 108मुनिश्री पावन सागर जी(जंगल वाले बाबा) व मुनिश्री सुभद्र सागर जी महाराज से आशीर्वाद लिया। आज सैंकडों मरीजों को चिकित्सा परामर्श दिया तथा दुगार्पुरा मंदिरजी से दवाईयां उपलब्ध कराई। इस कार्य में डां पल्लवी चांदवाणी का पूर्ण सहयोग रहा।डां शान्ति जैन 'मणी' ने मरीजों को चिकित्सा हेतु निर्देशित किया।तीर्थंकर ग्रुप के सदस्य व आम जनता ने इस शिविर का भरपूर उपयोग किया।इसमें सोराइसिस ,ऐन्यूरेसिस, दाद, दमा, वातरोग, मस्से, बवासीर, माइग्रेन, राईनाइटिस, टांसिल, ऐलूपीसिया आदि की विशेष चिकित्सा की। चिकित्सा के लिए जयपुर से बाहर के मरीज भी आये जिनमें दिल्ली, हरियाणा, खैरवाल, बोस्टन निवासी भी थे। इस कार्य हेतु मंदिर जी के अध्यक्ष मंत्री व चिकित्सा संयोजक महावीर चांदवाड का डां मणि ने आभार व्यक्त किया।

सोफिया कन्या महाविद्यालय अजमेर में सेमिनार का किया आयोजन

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। सोफिया कन्या महाविद्यालय में मंगलवार को सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें साइबर सिक्योरिटी तथा उसके मुद्दे और चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया। सेमिनार के मुख्य अतिथि देवेंद्र कुमार विश्नोई , सुपरीटेंडेंट आफ पुलिस अजमेर एवं प्रकाश जैन अतिथि के रूप में उपस्थित थे। देवेंद्र विश्नोई ने छात्राओं को साइबर सिक्योरिटी और उनसे होने वाली हानियो और कमियों पर प्रकाश डाला । उन्होंने साथ ही छात्राओं को अपनी मर्यादा और उसमें नियमों का पालन करने की सलाह दी , साथ ही उन्होंने छात्राओं को सही जानकारी प्राप्त करने के लिए जागरूक किया। उन्होंने सत्य घटनाओ द्वारा बालिकाओं को जागरूक किया और अपने मोबाइल को सही उपयोग में लेने की सलाह दी । छात्राओं ने जानकारी को बहुत जागरूक होकर के सुना और समझा ।कार्यक्रम में भीकाराम काला ट्रैफिक इंस्पेक्टर भी उपस्थित थे। प्रधानाचार्य प्रोफेसर सिस्टर पर्ल ने मुख्य अतिथि विश्नोई को स्मृति चिन्ह भेंट कर धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच का संचालन डॉ रितु भार्गव प्रवक्ता कंप्यूटर साइंस विभाग ने किया। गौतम चतुर्वेदी विभाग अध्यक्ष कंप्यूटर साइंस विभाग ने प्रकाश जैन को सम्मानित किया। कार्यक्रम में डॉक्टर नेहा शर्मा, श्रीमती किरण भगनानी, ऋषि सक्सेना, सुश्री लवीना गंगवानी, सुश्री चांदनी शर्मा और श्रीमती पूजा दीक्षित ने कार्यक्रम को सफल पूर्वक संपन्न कराने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

हजारों भक्त रहे उपस्थित, सभागृह में विराजे विहितसागर महाराज

अरिहंतनगर जैन मंदिर में चातुर्मास कलश स्थापना समारोह संपन्न

छत्रपति संभाजीनगर. शाबाश इंडिया

श्री 1008 युग प्रवर्तक आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर अरिहंतनगर में समाधिस्थ गणाचार्य विरागसागर महाराज के संघ के मुनिश्री विहीतसागर महाराज सहित 121 साधु संतों के चातुर्मास के अवसर पर उनके सानिध्य में 21 जुलाई की सुबह 6.30 बजे अरिहंतनगर जैन मंदिर में आचार्य परमेष्ठी विधान आयोजित किया गया था। बाद में अरिहंतनगर जैन मंदिर से मित्रनगर गार्डन तक चातुर्मास कलश की शोभायात्रा निकाली गई।

गुरुदेव की अष्टद्रव्य से पूजा

दोपहर एक से शाम 5 बजे के बीच भव्य चातुर्मास कलश स्थापना व गुरु पूर्णिमा का आयोजन किया गया। शहर के विभिन्न मंडलों की ओर से गुरुदेव की अष्टद्रव्य से पूजा

गुरु शब्द में ब्रह्मांड से भी अधिक शक्ति

इस अवसर पर मुनिश्री गणधर मुनि विवर्धनसागर महाराज ने भक्तों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि संसार में गुरु का महत्व विशेष है। केवल गुरु शब्द कहने से आंखों के सामने ऐसे व्यक्ति की प्रतिमा निर्माण होती है, जो सर्वश्रेष्ठ है। गुरु शब्द में पूरे ब्रह्मांड से भी अधिक शक्ति छुपी हुई है। कारण आत्मा का अनंत ज्ञान व शक्ति का भंडार गुरु के बिना तीनों काल में संभव नहीं। गुरु ने आगे कहा कि गुरु के बिना भोजन नमक न होने के समान है। कार्यक्रम के लिए अरिहंतनगर, बालाजीनगर, सिडको, हडको, मोहनलालनगर, रामनगर, चिंतामणी कॉलोनी, जवाहर कॉलोनी, राजाबाजार सहित लासूर, एलोरा, कचनेर, पैठण, देवगांव रंगारी, नाशिक, मालेगांव, राजस्थान आदि स्थान के हजारों भक्त उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए गणाचार्य विरागसागर गुरुदेव वषायोग समिती 2024, श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर विश्वस्थ और महिला मंडल ने विशेष परिश्रम किया।

ग्लैम टेल की भव्य शुरूआत

जयपुर. शाबाश इंडिया। सी-स्कीम में स्थित ग्लैम टेल ने नये सैलून का उद्घाटन किया, जो नाखून कला और लैशेस सेवाएं प्रदान करता है। इस खास मौके पर आईपीएल खिलाड़ी महिपाल कृष्ण लामरोर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे साथ में प्राची जैन और मुस्कान सोनी ।

आचार्य श्री शशांक सागर जी के सानिध्य में हुआ चेस टूर्नामेंट के पोस्टर का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानसरोवर स्थित महात्मा गांधी गवर्मेंट स्कूल में चेस पैरेंट्स एसोसिएशन राजस्थान द्वारा आयोजित होने वाले CPA राजस्थान MGGS चेस टूर्नामेंट के पोस्टर का विमोचन आचार्य श्री शशांक सागर महाराज के सानिध्य में श्याम नगर स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में किया एवं सफल आयोजन के लिए आचार्य श्री से आशीर्वाद भी लिया इस अवसर पर प्रायोजक सुनील जैन गंगवाल, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार सामाजिक न्याय आयोग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लोकेश सौगाणी, टूर्नामेंट के डायरेक्टर जिनेश कुमार जैन, चेस पैरेंट्स एसोसिएशन के सदस्य विमल जैन, गजेन्द्र जैन व अन्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। चेस पैरेंट्स एसोसिएशन राजस्थान के अध्यक्ष अमित गुप्ता ने बताया कि यह टूर्नामेंट 29 जुलाई 2024, सोमवार को आयोजित किया जाएगा और इस टूर्नामेंट के प्रायोजक समाज सेवी सुनील जैन गंगवाल होंगे। टूर्नामेंट डायरेक्टर जिनेश कुमार जैन ने बताया कि इस टूर्नामेंट में स्कूल के बच्चो से किसी भी प्रकार का कोई चार्ज नहीं लिया जाएगा एवं एंट्री भी बिल्कुल फ्री होगी और अव्वल पांच बच्चों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाएगा एवं सभी बच्चों को मेडल और सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा। इंटरनेशनल ऑर्बिटर भगवती प्रसाद शर्मा, स्कूल के प्रिंसिपल अनु चौधरी और पीईटी मोहनलाल चौधरी के निर्देशन में 5 राउंड होंगे प्रत्येक राउंड में 15 मिनट 10 सेकंड का समय होगा। चैस पैरेंट्स एसोसिएशन सचिव ललित बरडिया ने बताया कि 7 अगस्त को रटर इनडोर स्टेडियम में ओपन अंतरराष्ट्रीय रेटिंग शतरंज टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा होगा, जिसमें 3 लाख कैश मनी एवं बहूत सी ट्रॉफीज प्राइज मनी के रूप में रखी जाएगी।

जैन साधु दिगम्बर क्यों?

अपरिग्रह व त्याग की मूर्ति है दिगम्बर मुनिराज, नग्न तो भोगी विलासी भी होता है पर निर्विकार नहीं रह सकता

जैन साधना में दिगम्बरत्व की अवधारणा तीर्थंकरों के अत्यन्त प्राचीन काल से हैकवैदिक युग से ही दिगम्बर साधुओं का विचरण इस धरा पर चलता रहा है। वेदों में वात-रसन और वात-वसन मुनियों की जो चर्चा है,वह दिगम्बर मुनियों की ही है।

अपरिग्रह गैर-अधिकार की भावना

अपरिग्रह गैर-अधिकार की भावना, गैर लोभी या गैर लोभ की अवधारणा है, जिसमें अधिकारात्मकता से मुक्ति पाई जाती है। यह विचार मुख्य रूप से जैन धर्म तथा हिन्दू धर्म के राज योग का हिस्सा है। जैन धर्म के अनुसार अपरिग्रह जीवन का आधार हैं। आचार्य उमास्वामी जी तत्त्वार्थसूत्र जी में लिखते हैं, ''मूर्छा परिग्रहः'' अर्थात मोह के कारण पर पदार्थों में होने वाला ममत्व का भाव ही परिग्रह है। और परिग्रह के प्रति राग का भाव जब छूट जाता है, तब उत्तम आकिंचन्य धर्म प्रगट होता है।

सर्वा विजयमयी यात्रा निर्ग्रंथो अत्र दृश्यते

एक प्रसंग देखिए ''जब श्री कृष्ण कुरुक्षेत्र की ओर रथ लेकर जा रहे थे तो रास्ते में एक पर्वत पर एक दिगम्बर मुनि के दर्शन हुए। तो श्री कृष्ण ने अर्जुन को आश्वस्त करते हुए कहा था कि 'अर्जुन! चिन्ता मत करो! ''सर्वा विजयमयी यात्रा निर्ग्रंथो अत्र दृश्यते'' हमारी यात्रा निश्चित रूप से विजयमयी होने वाली है क्योंकि सामने निर्ग्रन्थ मुनि दिख रहे हैं'' तो ये निर्ग्रन्थों की महिमा, वैदिक काल से ही हमारे देश में रही हैक आज भी बहुत सारे साधु जन, जो जैन साधना से दूर है, जैन नहीं है, जैन साधक नहीं है, पर वे भी दिगम्बरत्व को अपनाते हैं, और उनके यहाँ उसे एक आदर्श साधना के रूप में देखा जाता है।

आत्मस्थ होने के लिए निर्ग्रन्थ होना जरूरी

जैन धर्म मूलतः निर्ग्रन्थ धर्म है और इसके अनुसार दिगम्बरत्व को साधना का मूल आधार बताया है। इसके पीछे दो मूल भावनाएँ हैं- अहिंसा और वीतरागता! हम अगर अपने जीवन में अहिंसा की पूर्ण आराधना करना चाहते हैं और अपरिग्रह को पूरी तरह आत्मसात करना चाहते हैं, तो हमें चाहिए हम अपने पास तिल-तुष मात्र भी न रखें। अगर कुछ भी हम रखते हैं, वस्त्र आदिक, तो उनके धोने, साफ करने, उनका प्रबन्ध करने में हमारा बहुत सारा समय भी जाएगा, शक्ति भी जाएगी और जीव हिंसा भी होगी। साथ ही उनके संरक्षण का व्यामोह, हमारे मन को चंचल बनाएगा। हमारे मन में दुःख उत्पन्न करेगाक इसलिए तिल-तुष मात्र भी न रखो। यही वीतरागता का साधन है। आत्मस्थ होने के लिए निर्ग्रन्थ होना जरूरी है।

भाले न समता सुख कभी नर, बिना मुनि-मुद्रा धरे

कविवर ध्यानतराय जी ने कहा है कि 24 प्रकार के परिग्रहों (14 अंतरंग परिग्रहः मिथ्यात्व, क्रोध, मान, माया, लोभ, हास्य, रति, अरति, शोक, भय, जुगुप्सा, पुरुष-वेद, स्त्री-वेद, नपुंसक-वेद ; 10 बहिरंग परिग्रहः क्षेत्र, वास्तु, धन, धान्य, सोना, चांदी, दास, दासी, वस्त्र, बर्तन) का त्याग मुनिराज करते हैं तथा श्रावकों को भी तृष्णा का भाव कम करते-करते इसे अधिकाधिक सीमित करना चाहिए। उत्तम आकिंचन्य को धारण करने का भाव आना एक गुण है। परिग्रह एवं उसके साथ होने वाली चिंता दुख का ही कारण है। जिस प्रकार, एक छोटी-सी फांस भी बहुत दुख का कारण बन जाती है; उसी प्रकार, एक लंगोटी मात्र की इच्छा भी बहुत दुखी करती है। बिना मुनि हुए जीव कभी भी पूर्ण समता और सुख को प्राप्त नहीं कर सकता। धन्य हैं वे मुनिराज जो सर्व परिग्रह का त्याग कर के दिगम्बर मुद्रा को धारण करते हैं। ऐसे मुनिराज की देव और असुर चरण वंदन करते है ।

दिगंबरत्व निर्विकारता का आधार है...

जैन साधना करने का मतलब है अपने प्राकृतिक रूप की ओर लौटना। प्रकृति ने हमें दिगम्बर जन्म दिया, नग्न नहीं, दिगम्बर!!यानि चर्म रुप वस्त्र प्रकृति ने हमें दिया है। हम इस चर्म के बल पर अपनी सारी मयार्दाओं को सुरक्षित रख सकते हैं। प्रकृति के आश्रित जितने भी प्राणी है, सब दिगम्बर रहते हैं। जब हम उन्हें सहज दृष्टि से देखते हैं तो उनका निर्वस्त्रपना हमें कभी चुभता नहीं है, सहज स्वीकार होता है। ऐसे ही दिगम्बर मुनि हैं जिसे प्रकृति ने जिस रूप में जन्मा, उस रूप में वह आने का प्रयास करते हैं। अपने प्राकृतिक रूप में रहना, प्रकृति के साथ तादात्म्य बनाकर के जीना, यही दिगम्बर साधना का मूल अभिप्रेत हैकअपनी सारी लज्जा, मयार्दाओं को, अपने इस मुद्रा के साथ ढाँक लेना, दिगम्बर हो जाना यानि नग्न नहीं, दिशाओं को अपना वस्त्र बनाकर के जीना है। नग्न होना कोई बड़ी बात नहीं है, नग्न तो भोगी विलासी भी होता है जो नग्न हो, निर्विकार नहीं रह सकता, पर जो दिगम्बर होगा वह निर्विकार भी होगा। दिगंबरत्व निर्विकारता का आधार है,

दिगंबरत्व मनुष्यता का आदर्श है

इसी से प्रेरित होकर गांधी जी ने कभी कहा था 'दिगंबरत्व मनुष्यता का आदर्श है' ये गांधी जी के शब्द है -दिगंबरत्व मानवता का आदर्श है, ये मनुष्य का आदर्श रूप है, इसे हमें समझने की जरूरत है। जो यह चीजें समझते हैं उन्हें कहीं कोई कठिनाई नहीं लगती।

वास्तविक बोध करें दिगम्बरत्व व नग्नता का

अक्सर हमारे अजैन मित्र हमसे सवाल करते हैं कि आपके साधु नंगे क्यों रहते हैं? जो लोग ऐसा सोचते हैं, हमें चाहिए कि हम उन्हें दिगम्बरत्व का वास्तविक बोध कराएं। चोबीस प्रकार के परिग्रह का त्याग ,चोबीस घण्टे में एक बार भोजन और वह भी विधि पूर्वक तथा केवल उसी समय पानी, नंगे पाँव पद विहार , पिच्छि कमण्डल ही उनकी पूंजी, आदि, जैन साधु की चर्याओ , तप और त्याग का जब सही बोध होता है तब लोग श्रद्धा से नत मस्तक हो जाते हैं। वर्तमान में जयपुर में सात स्थानों पर पंद्रह साधु चातुर्मास कर रहे हैं सभी से आग्रह है कि दिगंबर साधुओं की चर्याओं को अपनी नग्न आँखों से साक्षात देखे अपने आप समझ में आ जाएगा दिगम्बरत्व व नग्नता में अंतर। सभी दिगम्बर मुनिराज के चरणों में सादर नमन, वंदन।

पदम जैन बिलाला
जनकपुरी, जयपुर

त्रिलोक ऋषि जी महाराज सच्चे साधक, लेखक, रचनाकार ही नहीं, चित्रकार भी थेः युवाचार्य महेन्द्र ऋषि

पुण्य स्मृति दिवस त्रिलोक ऋषि जी म.सा.

सुनील चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नेई। मंगलवार को श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ के तत्वावधान एवं एएमकेएम में विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी के सान्निध्य में त्रिलोक ऋषिजी की गुणानुवाद सभा आयोजित हुई। युवाचार्यश्री ने कहा कि त्रिलोक ऋषिजी का जन्म 175 वर्ष पहले हुआ।बचपन में जिनवाणी श्रवण करते हुए उनका संयम के प्रति उत्साह जगा और दस वर्ष की उम्र में दीक्षा हुई। उन्होंने 32 में से 17 आगमों का अध्ययन किया।2000 गाथा से परिपूर्ण उत्तराध्ययन सूत्र को साढ़े तीन घंटे में कंठस्थ कर लिया। उन्होंने हजारों पेज लिखे और उनमें एक समान मोती जैसे अक्षर होते थे।युवाचार्य महेन्द्र ऋषि ने कहा कि लेखन को सामान्य मत समझना। पुराने जमाने में अनपढ़ को अंगूठा छाप कहते थे। आज बाइमेट्रिक्स रुप में अंगूठे का उपयोग करते हैं। उनकी लेखनी ऐसी थी कि एक पेज में 700 गाथा लिख दी फिर भी जगह बच गई। आप सोचिए कितनी एकाग्रता, पुरुषार्थ उनमें होगा। आज क्रोध- मान- माया- लोभ ने आत्मा को नियंत्रित कर लिया। हमें बाहरी भौतिक चीजों से लगाव है। हम ज्ञान की चेतना से दूर भागते हैं। अपने आपको व्रत, मयार्दा में बांध लो, आश्रव को रोक लो। इस काल के बारे में वृतांत देते हुए उन्होंने रचना बनाई। उन्होंने आगम के रहस्यों को सरल शब्दों में दिया। वे सच्चे साधक, लेखक, रचनाकार ही नहीं, चित्रकार भी थे। उन्होंने ज्ञान कुंज चित्र को बनाया जिसमें एक भी रेखा नहीं है और वह बहुत बड़ा संदेश देता है। वे बहुत बड़े साधक थे। उन्होंने ज्योतिचक्र बनाया जिसमें जिनवाणी साधना की महिमा समाहित है। वे ऐसे महापुरुष थे, जिन्होंने दक्षिण का द्वार खोला। वे 36 वर्ष ही जीएं लेकिन इतना काम कर लिया कि दीर्घायु व्यक्ति भी नहीं कर सकता। 140 वर्ष पहले अहमदनगर में उनका देवलोकगमन हुआ। आज हम जो भी हैं, उन महापुरूषों के उपकार की वजह से है। आज एक संकल्प लेना है कि ज्ञानार्जन में प्रमाद नहीं करेंगे, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। ईस दौरान महासती अणिमाश्री ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह संत- ऋषियों की धरती है, जिनका जीवन तो कम लेकिन काम बड़े हुआ करते थे। उनके अनंत उपकार समाज पर रहे हुए हैं। आज का दिन ऐसे महापुरुष की याद में बिताया जाता है जिन्होंने हर क्षमता, पुरुषार्थ को समाज के लिए

महासंघ के महामंत्री धर्मीचंद सिंघवी ने जानकारी देते हुए बताया युवाचार्य श्री के सानिध्य मे आचार्य सम्राट आनन्द ऋषि जी महाराज की 124वीं जन्म जयंती भव्य रुप मे नव दिवसीय कार्यक्रम रखे गये हैं।

उद्घाटित किया। उन्होंने सरल भाषा में प्रभु की वाणी को आम जनता तक पहुंचाया। वे कलाप्रेमी व कवि हृदय थे। वे दोनों हाथों व दोनों पैरों से लिख पाते थे। उनके प्रवचन वैराग्य उत्पादक थे। उन्होंने अपने जीवन में 27000 कविताओं की रचना की। जब किसी महापुरुष की जयंती आती है तो वह अवसर उनके सद्गुणों को ग्रहण करने का है। धर्मसभा का संचालन कमल छल्लाणी ने किया। महासंघ के महामंत्री धर्मीचंद सिंघवी ने जानकारी देते हुए बताया युवाचार्य श्री के सानिध्य मे आचार्य सम्राट आनन्द ऋषि जी महाराज की 124वीं जन्म जयंती भव्य रुप मे नव दिवसीय कार्यक्रम रखे गये हैं। 28 जुलाई को भिक्षुदया मे सभी सम्मिलित श्रावक बारह घंटे संयम जीवन का पालन कर उसका अनुभव करेंगे। इसमें श्रावक सांसारिक क्रिया कलापों से विमुक्त होकर पूरे दिन साधु जीवन का अनुसरण करेंगे।

पेरिस ओलम्पिक कवरेज

आकाशवाणी के राकेश जैन करेंगे पेरिस ओलम्पिक खेलो का कवरेज

जयपुर. शाबाश इंडिया

विज्ञापन प्रसारण सेवा आकाशवाणी जयपुर के प्रमुख राकेश जैन पेरिस में आयोजित होने वाले 33वें ओलम्पिक खेलो के विस्तृत कवरेज के लिए 24 जुलाई को पेरिस जाएगे। आकाशवाणी द्वारा 26 जुलाई से 11 अगस्त तक फ्रांस में आयोजित होने वाले ओलम्पिक खेलो में हॉकी, बैडमिन्टन सहित विभिन्न खेलो की लाइव कॉमेन्ट्री, प्रति घण्टे लाइव अपडेटस और प्रतिदिन खेलो पर आधे घण्टे की रिपोर्ट सुबह 7 से 7.30 बजे प्रसारित की जाएगी। इससे पूर्व आकाशवाणी जयपुर के राकेश जैन दोहा (कतर) में 2006 में व 2010 में ग्वांग्झु (चीन) में आयोजित एशियन गेम्स का कवरेज, 2013 में लन्दन के कार्डिफ, ओवल और एजबस्टन में आयोजित आई सी सी चैम्पियन्स ट्रॉफी में मैनेजर सह प्रोड्यूसर के रूप में, 2016 में रियो, (ब्राजील) ओलम्पिक खेलो का, 2023 में हांगझोऊ, चीन में आयोजित एशियाई खेलो का कवरेज कर चुके है। देश में आयोजित गौहाटी, रांची और केरल में नेशनल गेम्स, वर्ल्ड मिलिट्री गेम्स, मुम्बई और कॉमनवेल्थ गेम्स नई दिल्ली, सैफ गेम्स गौहाटी 2016, नेशनल गेम्स अहमदाबाद 2022, खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023, नेशनल गेम्स गोवा का कवरेज कर चुके है। इसके अलावा राजस्थान क्रिकेट संघ की ओर से जयपुर में आयोजित आई पी एल 2011 में मीडिया मैनेजर और विभिन्न एक दिवसीय मैचो में मीडिया मैनेजर रह चुके हैं। राकेश जैन देश विदेश के आकाशवाणी केन्द्रो के मध्य आयोजित श्रेष्ठतम कार्यक्रमों के लिए मिलने वाले अनेक आकाशवाणी वार्षिक पुरूस्कारो में प्रस्तुति दल में रह चुके है। वर्तमान में देश भर में श्रेष्ठतम विज्ञापन प्रसारण सेवा केन्द्र और प्रसार भारती द्वारा बेस्ट परफार्मर अवार्ड से सम्मानित हो चुके है। राकेश जैन प्रसार भारती की ओर से पेरिस ओलम्पिक में कवरेज में जाने वाले राजस्थान से एकमात्र अधिकारी हैं।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

सत्य कहने से ज्यादा सत्य सुनना दुर्लभ है: युवाचार्य महेंद्र ऋषि

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नेई। सत्य को जानने के लिए बहुत बड़ी ताकत चाहिए। बुधवार को ए.एम.के.एम. जैन मेमोरियल सेंटर में चातुमार्सार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषि महाराज ने विशाल प्रवचन धर्मसभा मे श्रावक श्राविकाओं को धर्म उपदेश प्रदान करते हुए कहा कि सत्य कहने से ज्यादा सत्य सुनना कठिन व दुर्लभ है। सत्य बोलो लेकिन प्रिय बोलो।युवाचार्यश्री ने भगवती सूत्र के प्रथम सूत्र की विवेचना करते हुए आगे बताया जिसका अपने आप पर पूर्ण नियंत्रण होता है, वह ही सत्य से रुबरु हो सकता है। जो व्यक्ति सत्य को झेल सकता है, वह जन्म मरण के चक्र को पार कर सकता है। व्यक्ति के लिए सत्य को पचा पाना या स्वीकार करना आसान नहीं होता है। युवाचार्य प्रवर ने कहा कि ध्यान करते समय बाहरी दृश्य लुभावना प्रतीत होता है। लौकिक व्यवहार और वेदिक भाषा में उसे माया कहते हैं। ध्यान के प्रभाव से व्यक्ति उससे मुड़ सकता है और सत्य से जुड़ सकता है तथा जन्म मरण के चक्र से बाहर निकल सकता है। उन्होंने कहा ये सूत्र अपनी आत्मा पर लागू करो। भगवती सूत्र के सूत्र लाइफ में प्रत्येक अंश से जुड़ने योग्य सूत्र है। प्रभु महावीर के प्रथम गणधर एवं ज्येष्ठ शिष्य गौतम स्वामी की प्रभु महावीर के प्रति अनंत आस्था थी। जिनका सान्निध्य, जिनके वचन सत्य की आज्ञा है, वे हमारे जन्म मरण के चक्र का अंत कर देते है। जिनके निकट रहने से भय समाप्त हो जाता है। आचारंग सूत्र में कहा गया है जो सत्य की दिशा में उपस्थित होता है, वह प्रज्ञाशील जन्म मरण के प्रभाव से तिर जाता है। युवाचार्य प्रवर ने कहा, कर्म आत्मप्रदेश में लगने के कई प्रोसेस है। उनमें कुछ दीर्घकालिक और कुछ लघुकालिक होते हैं। जैसे फल में पड़े- पड़े रस कम हो गया, वह सूख गया, वैसे ही कर्म की स्थिति कम कर देना, जला देना होता है। ये सात कर्मों के लिए संभव होता है लेकिन आयुष्य कर्म के लिए नहीं। आत्मा से कर्म प्रदेशों का पूर्ण रूप से अलग हो जाना कर्म निर्जरा कहलाती है।इसदौरान महासती अणिमाश्री ने कहा कि भगवान महावीर के जीवन की विशेषता यह है कि जिनकी देशना से कल्याण रुपी कल्पवृक्ष बना। आप सोचो, हमें जिनशासन मिला है। अरिहंत जिनशासन के मूल है, सिद्ध भगवान फल है, आचार्य अनोखा फूल है, उपाध्याय, साधु के रूप में पत्ते है। सम्यक दर्शन के रूप में सूर्य की किरणें है, तप के रूप में धरती है। यही जिनशासन का वृक्ष है। इतना होने के बाद भी हमारा जीवन कैसा है, इसका चिंतन करना। उन्होंने कहा सुर्योदय ऊजार्दायक होता है लेकिन सूर्योदय को टालकर देरी से उठते हैं तो जीवन में स्फूर्ति नहीं आ सकती। सूर्योदय के समक्ष ही जीवन का अवसर है, मिले हुए इस अवसर को हम गंवा देते हैं। मिले हुए लाभ से अवसर का फायदा उठाने से लाभ ही लाभ है।श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ के मंत्री धमीचंद सिघंवी जानकारी देते हुए बताया अयनावरम से पधारी कांताबाई गडवानी ने युवाचार्यश्री के मुखारविंद से इस चातुर्मास की प्रथम अट्ठाई के प्रत्याख्यान लिए। जिसका वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ की ओर से तपस्वी बहन का सम्मान किया गया। धर्मसभा का संचालन कमल छल्लाणी ने संचालन किया। आचार्य सम्राट आनन्द ऋषि जी महाराज की 124वीं जन्म जयंती के भव्यरुप मनाई जाएगी जिसमे 28 जुलाई को विराट स्तर पर भिक्षु दया तथा 3 अगस्त से 5 अगस्त तक तेले तप आराधना मे 1008 भाई बहन तेले तप की तप करेंगे।

ज्योतिनगर में सम्पन्न हुआ भव्य मन्दिर जीर्णोद्धार शिलान्यास समारोह

आगरा. शाबाश इंडिया

समाधिस्थ आचार्य श्री मेरूभूषण जी महाराज की कर्मस्थली आगरा के खेरिया मोड रोड़ स्थित अर्जुन नगर के श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर ज्योतिनगर का 40 वर्ष पुराने भव्य मंदिर जीर्णोद्धार शिलान्यास समारोह का आयोजन बडे.ही भक्तिभाव के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित विनोद जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में भक्तों ने श्रीजी का अभिषेक शांतिधारा एवं नित्यमह पूजन के साथ किया।इसके बाद प्रतिष्ठाचार्य सनतकुमार जैन शास्त्री एवं विनोद जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में मंत्रो च्चारण के साथ सौभाग्यशाली प्रदीप जैन पीएनसी परिवार,विमलेश कुमार जैन मार्सन्स परिवार,भोलानाथ जैन, विमल जैन परिवार,निर्मल मौठ्या और वीरेन्द्र मौठ्या परिवारों द्वारा शिलाएँ राखी,और अनेकों लोगों ने भी अपनी अपनी स्वर्ण,रजत,ताम्र,भक्ति शीलाएं रखकर मन्दिर जीर्णोद्धार शिलान्यास समारोह की मांगलिक क्रियाएं सम्पन्न कीं।कार्यक्रम के समापन के बाद मंदिर कमेटी ने बाहर से आए सभी अतिथियों का माल दुपट्टा एवं तिलक लगाकर स्वागत सम्मान किया। इस अवसर पर प्रदीप जैन पीएनसी,उषा जैन मार्सस, विमल जैन, सुनील जैन सिंघई, निर्मल जैन मोठिया, नीरज जैन जिनवाणी, मनोज जैन बाकलीबाल, जगदीशप्रसाद जैन,अशोक जैन पूर्व उपनगर प्रमुख, राकेश जैन पार्षद, सुशील जैन,दिलीप जैन, कमल गोधा, रवि जैन,राहुल जैन,रविंद्र जैन हेमा, पारस जैन, धर्मेंद्र जैन, ऋषि जैन, प्रहलाद कुमार जैन, जितेंद्र जैन हरिओम जैन, विमल जैन निखिलेश जैन, रवि जैन अनिल जैन अशोक जैन हीरो भाई मनीष जैन देवेंद्र जैन उपेंद्र जैन राहुल जैन पंकज जैन ने व्यवस्था सभाली और समस्त ज्योति नगर, अर्जुन नगर, वर्धमान नगर, इंद्रा कॉलोनी शाहगंज की जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे। **रिपोर्ट : विमल जैन**

अंर्तमना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महामुनिराज का 54वां अवतरण दिवस धुमधाम से मनाया गया

कोडरमा, झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया

जैन मंदिर में जैन धर्म के महान संत साधना महोदधि आत्महिंतकर , उत्कृष्ट सिंह निष्क्रिडितव्रतधारी, प्रातः स्मरणीय 108 अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी गुरुदेव का 54 वें अवतरण दिवस बड़े ही भक्तिभाव पूर्वक धुमधाम से मनाया गया। प्रातः अंर्तमना गुरूवर की पूजा अष्ट द्रव्यो से अत्यंत भक्ति भावसे किया गया, स्थानीय संगीत स्मार्ट सुबोध जैन गंगवाल के निर्देश में पूजा किया गया ।इसके पश्चात अन्तर्मना के चित्र के का अनावरण और दीप प्रज्वलन करने का सौभाग्य समाज के सह मंत्री नरेंद्र झांझरी,उप मंत्री राज छाबडा,पूर्व मंत्री ललित सेठी, पुर्व अध्यक्ष सुशील छाबडा युवा सम्राट सुरेश झाँझरी कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र काला मनीष-सीमा विधी सेठी, राज अजमेरा को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर अन्तर्मना गुरुवर के अनन्य भक्त मनीष सेठी ने कहा कि आज भगवान महावीर के बाद सबसे बड़ी साधना आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज ने 557 दिन की उत्कृष्ट सिंहनिष्क्रिडित व्रत मौन साधना में शाश्वत सम्मेदशिखरजी पर्वतराज पर तपस्या पुर्ण कर एक इतिहास रच दिया। आज के इस भौतिक युग में जहां लोग खाने के लिए जीवित हैं वही जैन धर्म के महान संत 557 दिन में केवल 61 दिन मात्र एक ही समय जल और भोजन ग्रहण कर निर्जरा उपवास की उत्कृष्टतम मौन साधना किये। जैन धर्म के सबसे बड़े तीर्थराज सम्मेदशिखर जी के पहाड़ पर तपस्या और ध्यान में लीन ऐसे ही संतो के कारण आज पृथ्वी पर धर्म गतिमान है अभी अन्तर्मना कुलचाराम विध्हरण पार्श्वनाथ मंदिर हैदराबाद में विराजमान है और विगत कई वर्षों से एक उपवास ओर एक आहार के साथ साथ अनेक व्रत धारण कर रहे है। इस अवतरण दिवस पर अन्तर्मना ने 33 दिनों का नया उपवास मुरज मध्य व्रत जिसमें 26 दिन उपवास 7 पारणा होगा। मौके पर विशेष रुप से, मीडिया प्रभारी राज कुमार अजमेरा, मनीष-सीमा सेठी, ईशान कासलीवाल,संजय, नवीन, महिला समाज की नीलम, अंजना, अलका,पिंकी, विधी सेठी, अंजू छाबडा आदि अनेक लोग उपस्थित हुई।

जैन समाज में पहली बार हुई कथा की प्रस्तुति अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से

जयपुर में पहली बार जैन तीर्थंकर पार्श्वनाथ कथा का हुआ शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर में पहली बार जैन तीर्थंकर की कथा की प्रस्तुति हुई। मौका था अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन भवन पर चल रहे चातुर्मास की धर्म सभा का। मुनि श्री ने बुधवार, 24 जुलाई को आयोजित चातुर्मासिक धर्म सभा में पहली बार जयपुर में जैन तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ की कथा प्रस्तुत की। इस मौके पर मुनि श्री के मुखारविन्द से जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ की कथा श्रवण करने के लिए बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मुनि श्री ने कहा कि आपने अभी तक श्री राम कथा, श्री कृष्ण कथा, भागवत आदि के आयोजन देखे सुने होगें। पहली बार जैन धर्म के किसी तीर्थंकर की कथा का आयोजन जयपुर में होगा। मुनि श्री ने कथा के माध्यम से भगवान पार्श्वनाथ के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। इससे पूर्व मनीष चौधरी एवं संगीतकार नरेन्द्र जैन के निर्देशन में आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य श्री समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया। इस मौके पर समाजश्रेष्ठी अनिल चूडीवाल, प्रदीप चूडीवाल,अजीत तोतूका परिवार ने आचार्य विद्यासागर एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का अनावरण एवं भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया। तत्पश्चात सभी ने मुनि श्री के पाद पक्षालन कर पुण्यार्जन किया। श्रद्धालुओं ने मुनि श्री को जिनवाणी भेट की। इस मौके पर प्राचार्य शीतल प्रसाद जैन, श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के कार्याध्यक्ष प्रमोद पहाड़िया, उपाध्यक्ष उत्तम चन्द पाटनी, संयुक्त मंत्री दर्शन बाकलीवाल, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, समिति अध्यक्ष सुशील पहाड़िया, मंत्री राजेन्द्र सेठी सहित अन्य गणमान्य श्रेष्ठीजनों ने मुनि श्री को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। संचालन विमल जैन ने किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा एवं कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन ने बताया कि मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में प्रतिदिन धर्म सभा का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार 25 जुलाई को प्रातः 8.15 बजे धर्म सभा का आयोजन किया जाएगा जिसमें आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। आहारचर्या प्रातः 9:40 बजे होगी। स्वाध्याय दोपहर 3:00 बजे, गुरुभक्ति एवं आरती सांय 6:30 बजे एवं वैयावृत्ति रात्रि 8:30 बजे होगी। उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी एवं संयुक्त मंत्री मनोज जैन ने बताया कि मुनि श्री ससंघ का 27 वां पावन वषायोग मंगल कलश स्थापना समारोह रविवार 28 जुलाई को दोपहर 1.00 बजे से मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर होगा।

भगवान महावीर के 2550वें निर्माण वर्ष के अवसर पर होगी प्रतियोगिताएं

संभागीय शिक्षा अधिकारी ने किया पोस्टर का विमोचन, कोर कमेटी की बैठक में लिए गए निर्णय

मनीष विद्यार्थी. शाबाश इंडिया

सागर। जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक 10 की कोर कमेटी की बैठक मुख्य अतिथि राष्ट्रीय मंत्री अतिवीर एड.कमलेन्द्र जैन एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष अरुण चंदेरिया की अध्यक्षता में सागर नगर की शाखाओं का कोर ग्रुप बनाकर शाखा अध्यक्ष ,मंत्री, कोषाध्यक्ष, प्रचार मंत्री एवं क्षेत्रीय संयोजक की बैठक का आयोजन वीरांगना ममता जैन राष्ट्रीय संयोजिका बैठक प्रभारी के कुशल संचालन मे हुई बैठक मे करीब 50 पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। स्वागत उपरांत दमोह से उपस्थित हुए अतिवीर दिलेश जैन चौधरी क्षेत्रीय उपाध्यक्ष ने संबोधित करते हुए नियमित मासिक बैठक, कार्य योजना, क्रियान्वयन, संयोजन, समीक्षा के माध्यम से शाखा के कार्यक्रम आयोजन एवं सक्रियता किस प्रकार बनाय रखे अपने विचारों से अवगत कराया, वीरांगना कविता ऋषभ जैन क्षेत्रीय मंत्री ने कहा कार्यक्रम को बड़े स्तर पर प्रसार प्रचार कर कार्यक्रमों को किया जाए जिससे भगवान महावीर के संदेशों को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंच सके। अतिवीर कमलेन्द्र जैन राष्ट्रीय मंत्री ने भगवान महावीर स्वामी के 2550 वे निर्वाण वर्ष में जुलाई में चित्र कला प्रतियोगिता, अगस्त में भाषण प्रतियोगिता, सितंबर में संतो के सानिध्य में संगोष्टी, अक्तुबर मे मैराथन दौड़ कार्यक्रम आयोजन पर विस्तृत चर्चा की। पंच परमेष्टि स्तुति के साथ बैठक सम्पन्न हुई। अंत में क्षेत्रीय अध्यक्ष अरुण चंदेरिया कार्य अध्यक्ष संजय जैन शक्कर कोषाध्यक्ष प्रमोद जैन भाई जी प्रचार मंत्री मनीष विद्यार्थी ने तीर्थंकर महावीर स्वामी के 2550 में निर्माण वर्ष के अवसर पर बुंदेलखंड स्तरीय जीव दया पर चित्रकला प्रतियोगिता का पोस्टर का विमोचन संभागीय शिक्षा अधिकारी डॉ मनीष वर्मा एवं जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद जैन ने किया एवं जैन मिलन द्वारा स्कूल स्तर पर प्रतियोगिता आयोजन के लिए स्वीकृति पत्र दिया गया।

सेवा निवृत्त बैंकर्स ने किया पदम जैन बिलाला का सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। आचार्य पदारोहण शताब्दी महोत्सव वर्ष के अन्तर्गत समाज सेवा के उपलक्ष्य में प्रतिष्ठित आचार्य श्री शान्तिसागर राष्ट्रीय पुरस्कार सेवा निवृत्त वरिष्ठ बैंक अधिकारी पदम जैन बिलाला को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर प. पू. आचार्य वसुनंदी जी महामुनिराज के पावन सानिध्य में फि रोजाबाद में एक समारोह में विशेष रूप से सम्मानित किए जाने स्वरूप सेंट्रल बैंक रिटायर्ड ऑफि सर्स के राष्ट्रीय महामंत्री एन के पारीक, प्रांतीय संयुक्त महासचिव बी एस राठौड़, मनोज शर्मा, कोषाध्यक्ष ललित शर्मा ने तिलक माला सॉल दुपट्टा व साफा पहना कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर बैंक के पूर्व महा प्रबंधक सीता राम खटीक, रमेश चाँदवानी, के के तलवार, शिवा नंद शर्मा, एन के खंडेलवाल व विमल पाटनी आदि की गरिमामय उपस्थिति रही।

संगिनी जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ का गेट टू गैदर कार्यक्रम संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

संगिनी जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ का गेट टू गैदर कार्यक्रम दिनांक , 23 जुलाई 2024 चील गाड़ी रेस्टोरेंट सांगानेर कार्यक्रम संपन्न हुआ। अध्यक्ष किरण झाझरी एवं सचिव विजया काला ने बताया कि 70 संगिनी सदस्यों ने विभिन्न रोचक एवं अनोखी प्रस्तुति प्रियंका लुहाड़िया कुमकुम फोटोस द्वारा Rainbow theme पर आकर्षक हाउजी खिलाई एवं पारितोषिक भी प्रदान किए। कार्यक्रम में अंजना गंगवाल उपाध्यक्ष, नूपुर जैन संयुक्त मंत्री संगीता जैन कोषाध्यक्ष एवम अन्य सदस्य गण उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल एवम रोचक बनाने में सभी सदस्यों ने सहयोग दिया ।

यथा नाम तथा गुण अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

21वीं शताब्दी में जैन धर्म के दिगंबरत्व साधना व चर्या की जब भी चर्चा होगी तो आचार्य श्रीप्रसन्न सागर का नाम आस्था और श्रद्धा के साथ लोगों की जुबां पर सबसे पहले होगा। आचार्यश्री ने पंचम काल में कठोर तपस्या और उपवास करके बता दिया कि साधु-संत चाहे किसी भी काल के हों, वो शरीर वैराग्य पथ पर बढ़ते हुए आग उगलती दोपहरी हो या कड़कड़ाती ठंड मुनि श्री रत्नत्रय की बखूबी साधना कर रहे हैं। दीक्षा लेने से अब तक सिर्फ 35 साल में 3500 से ज्यादा उपवास कर चुके हैं। शाश्वत तीर्थराज सम्मेद शिखर की पावन धरा पर 557 दिनों के कालखंड में 496 दिन के निर्जल उपवास किये हैं जो चमत्कार से कम नहीं है। गुरुदेव की साधना को देखते हुए 29 नवंबर, को इन्हें संघ के आचार्य पद से सुशोभित किया गया। गुरुदेव के नाम अनगिनत रिकॉर्ड हैं। गिनीज बुक से लेकर इंडिया बुक, एशिया बुक हर जगह उनकी उपलब्धियों की गाथा है। इन सबसे विरत गुरूदेव अन्तर्मन की मौन साधना में तल्लीन हैं और इसलिए गुरुदेव उनके शिष्यों के लिए अन्तर्मना हैं। गुरुदेव द्वारा रचित साहित्य भी अनुपम है। मेरी बिटिया, आचरण, भीतर का सच, सच है मित्र, पुष्प गिरी अर्घ, अन्तर्मना जैसी कृतियां धार्मिक साहित्य के खजाने में नायाब रत्न हैं। निस्पृह होकर मात्र आत्मा और परमात्मा के चिंतन में तल्लीन रहते हैं। तपस्वी साधक, मनस्वी चिंतक, व्रत उपवासों के सम्मेद शिखर, इंद्रिय विजयी जैसी उपमाओं से सुशोभित आचार्यश्री वो विभूति हैं जिन्होंने भगवान महावीर और भगवान नेमिनाथ की विशुद्धचर्या, तप और मौन साधना को इस युग में साकार किया है। मध्यप्रदेश में छतरपुर की धरा पर 23 जुलाई 1970 को जन्मे मुनिश्री भाई बहनों में सबसे बड़े थे। पिछले जन्मों के असीम पुण्यों और पारिवारिक धार्मिक संस्कारों के चलते मात्र 16 वर्ष की अवस्था में इनके मन में वैराग्य के बीज पनप गये थे। फलस्वरूप 1986 में गृहत्याग कर वात्सल्य दिवाकर गणाचार्य श्रीपुष्पदंत सागर की निश्रा में रहने लगे। अपने गुरुदेव के सान्निध्य में ब्रह्मचर्य जीवन अपनाकर तीन साल बाद महावीर जयंती पर मुनि दीक्षा धारण की और दिलीप से मुनि श्रीप्रसन्न सागर बन गए। गुरुदेव द्वारा रचित साहित्य भी अनुपम हैं। मेरी बिटिया, आचरण, भीतर का सच, सच है मित्र, पुष्प गिरी अर्ष, अन्तर्मना जैसी कृतियां धार्मिक साहित्य के खजाने में नायाब रत्न हैं। गुरुदेव के भक्तों के लिए वह पल चिंतामणि हाथ लगने जैसा होता है, जब वह उन्हें दोनों हाथ उठाकर आशीर्वाद देते हैं। वहीं गुरुदेव की धीर-गंभीर मुद्रा में उनके अपने गुरु आचार्य श्रीपुष्पदंत सागर की छवि साकार होती है। मुनि प्रसन्न सागर की यात्रा अभी शुरू हुई थी कि संयोग से इन्हें आचार्य पुष्पदंत सागर के साथ तपस्वी सम्राट आचार्य श्रीसन्मति सागर का भी आशीर्वाद मिला और दो आचार्यों की कृपा से इन्होंने श्रमण संस्कृति की ध्वजा को और मजबूत किया। गुरुदेव प्रसन्न सागर देश के विभिन्न राज्यों में चातुर्मास करके अपनी अमृत वाणी से लाखों लोगों को लाभान्वित कर चुके हैं। सर्व धर्म सम्मेलन हो या अहिंसा संस्कार पदयात्रा गुरुदेव की वाणी ने हजारों युवाओं को धर्म से जोड़कर जिन धर्म की बड़ी प्रभावना की है। वर्तमान में वह अपने 19 साधु-साध्वियों के साथ तेलंगाना की धरती पर हैदराबाद से 80 कि.मी. दूर अतिशय क्षेत्र कुलचारम में वर्षायोग करके ज्ञान पिपासुओं को ज्ञान की वर्षा कर रहे हैं। -**नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

नीता अंबानी सर्वसम्मति से दोबारा "अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी" की सदस्या चुनी गईं

पेरिस. शाबाश इंडिया

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी ने एक बार फिर नीता अंबानी में अपना विश्वास जताया है। वे सर्वसम्मति से दोबारा आईओसी की सदस्या चुन ली गई हैं। कुल 93 वोटर्स ने अपना वोट दिया और नीता अंबानी के पक्ष में सभी 93 वोट पड़े यानी पूरे 100 प्रतिशत। 2016 में रियो डी जेनेरियो ओलंपिक खेलों में नीता अंबानी पहली बार आईओसी सदस्या चुनी गई थी। वे रिलायंस फाउंडेशन की फाउंडर और चेयरपर्सन हैं। अपने पुनर्निर्वाचन पर नीता अंबानी ने कहा, ''अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी के सदस्य के रूप में फिर से चुने जाने पर मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूँ। मैं प्रेसिडेंट बाख और आईओसी में अपने सभी सहयोगियों को मुझ पर विश्वास और भरोसे के लिए धन्यवाद देना चाहती हूँ। यह पुनर्निर्वाचन न केवल मेरे लिए एक व्यक्तिगत मील का पत्थर है, बल्कि वैश्विक खेल क्षेत्र में भारत के बढ़ते प्रभाव को भी दिखाता है। मैं हर भारतीय के साथ खुशी और गर्व के इस पल को साझा करना चाहती हूँ और भारत और दुनिया भर में ओलंपिक आंदोलन को मजबूत करने के लिए मैं तत्पर हूँ।'' बताते चलें कि नीता अंबानी के नेतृत्व में 40 साल के इंतजार के बाद भारत को आईओसी की वार्षिक बैठक की मेजबानी मिली थी। वर्ष 2023 में मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में इसका सफल आयोजन किया गया था। नीता अंबानी की लीडरशिप में ही पहली बार ओलंपिक में इंडिया हाउस बनाया गया है। जो पेरिस ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों, समर्थकों व दर्शकों के लिए भारत से दूर एक घर की तरह है।

अर्थव्यवस्था को तीव्र गति एवं महाशक्ति बनाने वाला बजट

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का प्रथम सम्पूर्ण बजट वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रस्तुत किया, उनकी ओर से प्रस्तुत यह बजट एक मौलिक सोच एवं दृष्टि से दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था को एक चमकते सितारे के रूप में स्थापित करने एवं सुदृढ़ आर्थिक विकास के लिये आगे की राह दिखाने वाला है। संभावना है कि इस बजट में समावेशी विकास, वंचितों को वरीयता, नौकरीपेशा का थोड़ी राहत, बुनियादी ढांचे में निवेश, पर्यटन को बढ़ावा, आदिवासी उन्नयन, क्षमता विस्तार, हरित एवं कृषि विकास, महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी, मोदी के नये भारत-सशक्त भारत-विकसित पर बल दिया गया है। वित्त मंत्री ने सरकार की 9 प्राथमिकताओं -खेती में उत्पादकता और मजबूती बढ़ाना, रोजगार और स्किल डेवलपमेंट, मानव संसाधन का समावेशी विकास और सामाजिक न्याय, मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज, अर्बन डेलपमेंट, एनर्जी सिक्योरिटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, इन्नोवेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म्स का ऐलान किया है, जो देश को आत्मनिर्भर बनाने की रफ्तार को भी गति देगा। बजट में जहां बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष योजनाओं से जोड़ा गया है वहीं महंगाई को नियंत्रित करने की मंशा साफ दिखाई दी है। विकास, स्टार्टअप और रोजगार सृजन के कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह बजट देश को न केवल विकसित देशों में बल्कि इसकी अर्थव्यवस्था को विश्व स्तर पर तीसरे स्थान दिलाने के संकल्प को बल देने में सहायक बनेगा। सातवीं बार बजट प्रस्तुत कर वित्तमंत्री सीमारमण ने पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई द्वारा स्थापित रिकॉर्ड को तोड़ दिया है, जिन्होंने वित्त मंत्री के रूप में पांच वार्षिक बजट और एक अंतरिम बजट पेश किया था। सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने, उसे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने और अर्थव्यवस्था को तीव्र गति देने की दृष्टि से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा मंगलवार को लोकसभा में प्रस्तुत आम बजट इसलिए विशेष रूप से उल्लेखनीय है, क्योंकि मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, न कि लोकलुभावन योजनाओं के जरिये प्रशंसा पाने अथवा कोई राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की है। राजनीतिक हितों से ज्यादा देशहित को सामने रखने की यह पहल अनूठी है, प्रेरक है। अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है, जो इस बजट से पूर्ण होता हुआ दिखाई देता है। इस बजट में मध्यम वर्ग को लम्बे अन्तराल के बाद 7 लाख रुपये तक की कुल कमाई करने वालों को बड़ी राहत दी है। नए टैक्स रिजीम के तहत स्टैंडर्ड डिडक्शन की लिमिट 50 हजार रुपये से बढ़ाकर 75 हजार रुपये कर दिया गया है। साथ ही नए टैक्स रिजीम में टैक्स स्लैब में बदलाव किया गया है। बजट में लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स में भी कुछ अहम बदलाव करने का एलान किया है। मौजूदा नियमों के तहत एक वित्त वर्ष के दौरान अधिकतम 1 लाख रुपये तक के लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन पर कोई टैक्स नहीं लगता है। इस लिमिट को बढ़ाकर 1.25 लाख रुपये सालाना कर दिया गया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, नवाचार, अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिये बुनियादी अनुसंधान और प्रोटोटाइप विकास के लिए अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान कोष की स्थापना की घोषणा की। वाणिज्यिक स्तर पर निजी क्षेत्र द्वारा संचालित अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 1 लाख करोड़ रुपये का वित्तपोषण पूल भी बनाया जाएगा। मोबाइल फोन और मोबाइल पीसीबीएस तथा मोबाइल चार्जर पर बीसीडी को घटाकर 15 प्रतिशत करने का प्रस्ताव किया गया है। वित्तीय घाटा 2024-25 तक सकल घरेलू उत्पाद का 4.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। लक्ष्य घाटे को 4.5 प्रतिशत से नीचे पहुंचाने का लक्ष्य है। 25,000 ग्रामीण बस्तियों को सभी मौसमों के अनुकूल सड़कें प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना चरण 4 का शुभारंभ किया जाएगा। कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास बनाए जाएंगे। छात्रावासों और क्रेच के माध्यम से कार्यबल में महिलाओं की अधिक भागीदारी को बढ़ावा दिया जाएगा। सरकार समग्र विकास के लिए राष्ट्रीय सहयोग नीति लाएगी। घरेलू संस्थानों में उच्च शिक्षा के लिए 10 लाख तक के ऋण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने का भी प्रस्ताव है। इस वर्ष शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। भारत की अर्थव्यवस्था को तीव्र गति देने की दृष्टि से यह बजट कारगर साबित होगा, जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे, रोजगार के नये अवसर सामने

आयेंगे, उत्पाद एवं विकास को तीव्र गति मिलेगी। चालू वित्त वर्ष में आर्थिक क्षेत्र में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिले, लेकिन इन सब स्थितियों के बावजूद इस बजट प्रावधानों के माध्यम से देश को स्थिरता की तरफ ले जाते दिखाई पड़ रहे हैं। बजट हर वर्ष आता है। अनेक विचारधाराओं वाले वित्तमंत्रियों ने विगत में कई बजट प्रस्तुत किए। पर हर बजट लोगों की मुसीबतें बढ़ाकर ही जाता रहा है। लेकिन इस बार बजट ने अर्थव्यवस्था में नयी परम्परा के साथ राहत की सांसें दी है तो नया भारत- सशक्त भारत-विकसित के निर्माण का संकल्प भी व्यक्त किया है। इस बजट में कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, रेलों का विकास, सड़कों और अन्य बुनियादी ढांचागत क्षेत्रों के विकास के साथ-साथ किसानों, आदिवासियों, गांवों और गरीबों को ज्यादा तवज्जो दी गयी है। सच्चाई यही है कि जब तक जमीनी विकास नहीं होगा, तब तक आर्थिक विकास की गति सुनिश्चित नहीं की जा सकेगी। इस बार के बजट से हर किसी ने काफी उम्मीदें लगा रखी थीं और उन उम्मीदों पर यह बजट खरा उतरा है। विशेषतः नौकरीपेशा लोगों ने राहत की सांस ली है। संभवतः इस बजट को नया भारत निर्मित करने की दिशा में लोक-कल्याणकारी बजट कह सकते हैं। यह बजट वित्तीय अनुशासन स्थापित करने की दिशाओं को भी उद्घाटित करता है। आम बजट न केवल आम आदमी के सपने को साकार करने, आमजन की आकांक्षाओं को आकार देने और देशवासियों की आशाओं को पूर्ण करने वाला है बल्कि यह देश को समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र बनाने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण एवं दूरगामी सोच से जुड़ा कदम है। बजट के सभी प्रावधानों एवं प्रस्तावों में जहां हर हाथ को काम का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। आजादी के अमृत काल में प्रस्तुत यह बजट निश्चित ही अमृत बजट है। जिसमें भारत के आगामी 25 वर्षों के समग्र एवं बहुमुखी विकास को ध्यान में रखा गया है। बीते कुछ सालों में नरेन्द्र मोदी ने इकॉनमी को मजबूत करने के लिए जो नींव रखी थी, अब उस पर मजबूत इमारत खड़ा करने का मौका है। आदिवासी समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान शुरू किया जाएगा। इससे 63,000 गांवों को कवर किया जाएगा, जिससे 5 करोड़ आदिवासी लोगों को लाभ होगा। बजट में टूरिज्म पर विशेष बल दिया गया है। पर्यटन हमेशा से हमारी सभ्यता का हिस्सा रहा है।. भारत को वैश्विक गंतव्य के रूप में स्थापित करने के सरकार के प्रयासों से रोजगार के अवसर पैदा होंगे। बिहार में राजगीर और नालंदा के लिए एक व्यापक विकास पहल की जाएगी। सरकार ओडिशा में पर्यटन को बढ़ावा देंगी, जिसमें प्राकृतिक सुंदरता, मंदिर, शिल्पकला, प्राकृतिक परिदृश्य, वन्यजीव अभयारण्य और प्राचीन समुद्र तट हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आशा के अनुरूप ही बजट का फोकस किसानों, आदिवासियों, स्वास्थ्य, शिक्षा, शहरी विकास, रोजगार, युवाओं की अपेक्षाओं, विकास और ग्रामीण क्षेत्र एवं पर्यटन पर रखा है। अपने ढांचे में यह पूरे देश का बजट है, एक आदर्श बजट है। इसका ज्यादा जोर सामाजिक विकास पर है। अक्सर बजट में राजनीति, वोटनीति तथा अपनी व अपनी सरकार की छवि-वृद्धि करने के प्रयास ही अधिक दिखाई देते है लेकिन बावजूद यह बजट राजनीति प्रेरित नहीं, देश प्रेरित है। इस बजट में जो नयी दिशाएं उद्घाटित हुई है और संतुलित विकास, भ्रष्टाचार उन्मूलन, वित्तीय अनुशासन एवं पारदर्शी शासन व्यवस्था का जो संकेत दिया गया है, सरकार को इन क्षेत्रों में अनुकूल नतीजे हासिल करने पर खासी मेहनत करनी होगी।